

राजस्थान सरकार की सिलिकोसिस नीति 2019 एवं इससे श्रमिकों पर प्रभाव

लेखा राम

सहायक आचार्य (VSY), अर्थशास्त्र
राजकीय महाविद्यालय, सिणधरी

सारांश

राजस्थान में खनन और पत्थर तराशने के कार्यों में लगे श्रमिकों में सिलिकोसिस, जोकि सिलिका धूल से होने वाला एक गंभीर फेफड़ों का रोग है, व्यापक रूप से फैला हुआ है। इस समस्या को नियंत्रित करने और इससे प्रभावित श्रमिकों को सहायता प्रदान करने के लिए राजस्थान सरकार ने 2019 में सिलिकोसिस नीति लागू की। इस नीति का उद्देश्य पीड़ितों को चिकित्सा सुविधा, आर्थिक मुआवजा, सामाजिक सुरक्षा, और वैकल्पिक रोजगार के अवसर प्रदान करना है। नीति के तहत प्रभावित श्रमिकों और उनके परिवारों को लाभ मिला है, लेकिन इसके क्रियान्वयन में जागरूकता की कमी, मुआवजा वितरण में देरी, और धूल नियंत्रण उपायों का अभाव जैसी चुनौतियाँ हैं। नीति को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए जागरूकता अभियान, समय पर मुआवजा वितरण, और धूल नियंत्रण उपायों को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता है। यह नीति श्रमिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और सिलिकोसिस के प्रभाव को नियंत्रित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

